No. of Printed Pages : 6

MVS–014

P. G. DIPLOMA IN VASTUSHASTRA

(PGDVS)

Term-End Examination

December, 2024

MVS–014 : PALACE, VILLAGE AND CITY VASTU

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper is divided into two Sections. Both Sections are compulsory. Answer the questions in accordance with the instructions given in each Section.*

Section—A

Note : Answer any *three* of the following questions.

3×20=60

1. Elaborate on the style of temple construction on the basis of Vastushastra.

2. Mention the nature and theory of palace construction.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. Describe in detail the selection of excellent land for temple construction.

4. Describe the basic principles of temple construction.

5. Elaborate on the different constituents of temple construction.

6. What are the rules related to temples in Vastushastra ? Discuss.

Section—B

Note : Answer any *four* of the following questions.

4×10=40

1. Describe the stones and boulders used for temple construction.

2. Describe the various components of temple Vastu.

3. Describe the weapons and the ornaments of temple-idols.

4. Briefly describe the fundamental principles of Royal Palace construction.

5. What determines the shape and type of Royal Palaces ? Mention.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

6. Describe the various components of Royal Palace according to Vastu.

7. Describe the different types of Fort-construction according to Vastu.

8. Elaborate on the methods of protection of Forts mentioned in Vastushastra.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

MVS–014

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–014 : प्रासाद, ग्राम एवं नगर वास्तु

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. वास्तुशास्त्र के आधार पर मंदिर निर्माण की शैली का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. प्रासाद निर्माण के स्वरूप एवं सिद्धान्त का उल्लेख कीजिए।

3. मंदिर निर्माण हेतु प्रशस्त भूमि का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. मंदिर निर्माण के आधारभूत सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

5. मंदिर वास्तु के विभिन्न अंगों का वर्णन कीजिए।

6. देवालय से सम्बन्धित नियमों का वास्तुशास्त्र में क्या वर्णन है ? विवेचना कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 10 = 40$

1. मंदिर निर्माण में प्रयोग की जाने वाली शिलाओं का वर्णन कीजिए।

2. मंदिर वास्तु के विविध अंगों का वर्णन कीजिए।

3. मूर्तियों के आयुध एवं आभूषणों का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. राजप्रासाद निर्माण के आधारभूत सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

5. राजप्रासाद के आकार-प्रकार का क्या निर्धारण है ? उल्लेख कीजिए।

6. वास्तु के अनुसार राजप्रासाद के विभिन्न अंगों का वर्णन कीजिए।

7. वास्तु के अनुसार दुर्ग-निर्माण के भेदों का वर्णन कीजिए।

8. दुर्ग की रक्षा के लिए बताये गये वास्तुशास्त्रीय उपायों का वर्णन कीजिए।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com